Ministry of Culture
Government of India

आज़ादी का अमृत महोत्सव

डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी द्वारा भारतीय महाआख्यानों की महान नायिकाएँ विषय पर व्याख्यान आयोजित
प्रफुल्ल कुमार महांति ने दिया वक्तव्य

नई दिल्ली 8 जून 2023; साहित्य अकादेमी द्वारा आज साहित्य मंच कार्यक्रम के अंतर्गत प्रख्यात ओड़िआ लेखक और विद्वान प्रफुल्ल कुमार महांति का "भारतीय महाआख्यानों की महान नायिकाएँ" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। उन्होंने अपने वक्तव्य में विश्व के कई महाकाव्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां किल्योपेट्रा को छोड़कर कोई ऐसी महिला पात्र नहीं है जिसका जिक्र किया जा सके। उन्होंने रामायण से सीता और महाभारत से द्रोपदी का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दोनों केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व की महान नायिकाएँ हैं,जिनका मुकाबला अन्य कोई महिला चरित्र नही कर सकता। आगे उन्होंने कहा है कि रामायण और महाभारत देश के शुद्ध साहित्यक ग्रंथ हैं और दोनों नायिकाएं एक विशेष सर्वमान्य धर्म (धार्मिक अर्थों में नहीं) का प्रतिनिधित्व करती हैं जिनमें सीता धरती का और द्रौपदी अग्नि का प्रतीक हैं। दोनों इन्हीं तत्वों से उत्पन्न भी होती हैं। धरती जहां अपने अंदर सबके गुण अवगुण समा कर सहनशीलता का परिचय देती है तो वहीं अग्नि सबको ऊपर ले जाकर नष्ट कर देती है, लेकिन वह धरती को कभी जला नहीं पाती। इन चरित्रों को और स्पष्ट करते हुए उन्होंने उनके विवाह के लिए आयोजित स्वयंवर, और उसके बाद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दोनों को युद्ध का दोषी ठहराया जाता है जो की सत्य नहीं है, युद्ध के दूसरे तात्कालिक कारण थे। राम और युद्धिष्ठर अलग अलग संदर्भों में अपने राज धर्म निभा रहे होते हैं। सीता मर्यादा का प्रतीक हैं। द्रोपदी अंत में अकेले रह जाने के मिथ्या संसार का प्रतीक हैं।

कार्यक्रम के आरंभ में प्रफुल्ल कुमार महांति का स्वागत प्रख्यात हिंदी साहित्यकार सुरेश ऋतुपर्ण ने अंगवस्त्रम और प्रसिद्ध सिंधी कवि मोहन हिमथाणी ने पुस्तक भेंट कर के किया। श्री महांति का स्वागत करते हुए अपने वक्तव्य में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि हमारे महाकाव्यों में सीता और द्रोपदी के अलावा भी अन्य नायिकाएँ हैं जिन पर अब बातचीत शुरू हो रही है। इस संदर्भ में उन्होंने रामायण से उर्मिला और मंदोदरी और महाभारत से गांधारी, उत्तरा और रुक्मणी का जिक्र किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लेखक और विद्वान उपस्थित थे।

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in